उत्पादन खर्च बढ़ने से कोरूगेटेड बॉक्स का उद्योग मुश्किल में

पिछले 2 महीने में क्राफ्ट पेपर मिलों द्वारा निरंतर भाव वृद्धि किए जाने से और दूसरी ओर अन्य कन्वर्जन इनपुट कास्ट बढ़ने से भारत का कोरूगेटेड बॉक्स उद्योग मुश्किल में आ गया है. देसी और आयातित वेस्ट पेपर का भाव पिछले 2 महीने में प्रति मेट्रिक टन 4500 से 5000 तक बढ़ गया. क्राफ्ट पेपर मिलों के अनुसार कोविड-19 लॉकडाउन अवधि में भारतीय पेपर मिलों द्वारा पर्याप्त माल आयात ना कर सकने के कारण इस समय जरूरी ग्रेड का माल यहां कम है और कुछ निचले ग्रेड की यहां तंगी है. भारत के 350 से अधिक ऑटोमेटिक कोरूगेटर और 10,000 से अधिक सेमी ऑटोमेटिक यूनिटें कोविड-19 के कारण भारी परेशानी अनुभव कर रही हैं. इंडियन कोरूगेटेड केस मैन्युफैक्चरर्स एसोसिएशनके प्रमुख संदीप वाधवा ने सभी क्राफ्ट पेपर मिल्स एसोसिएशनों से भाव में स्थिरता और अनुशासन बनाए रखने का अनुरोध किया है. वर्तमान विषम परिस्थिति में सभी क्राफ्ट पेपर मिलो का और हमारे ग्राहकों का सहयोग अत्यंत जरूरी है. इकमा के उप प्रमुख हरीश मदन ने कहा कि उत्पादन खर्च में 18 से 20त्न की वृद्धि होने से कोरूगेटेड बॉक्स उद्योग का टिकना मुश्किल हो गया है. इन परिस्थितियों में बड़े एफएमसीजी ब्रांड मालिकों सहित बॉक्स के उपभोक्ताओं के लिए पर्याप्त समर्थन देना जरूरी है.